



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 980]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 19, 2010/वैशाख 29, 1932

No. 980]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 19, 2010/VAISAKHA 29, 1932

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 मई, 2010

सं. 43/2009—2014

विषय : पुराने कपड़ों और अन्य पुरानी वस्तुओं के संबंध में
आयात नीति ।

का.आ. 1188(अ).—विदेश व्यापार नीति, 2009-2014 के पैरा 2.1 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, एतद्वारा निर्यात और आयात मदों के आई टी सी (एच एस) वर्गीकरण की अनुसूची 1 में निम्नलिखित संशोधन करती है :

2. संशोधन के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि को इस तरह पढ़ा जाएगा :—

एग्जिम कोड	मद विवरण	नीति	नीति की शर्तें
63 09 0000	पुराने कपड़े और अन्य पुरानी वस्तुएं	प्रतिबंधित	

3. अध्याय 63 के अन्त में आयात लाइसेंसिंग टिप्पणी सं. (1) को हटा दिया गया है ।

4. इसे लोकहित में जारी किया जाता है ।

[फा. सं. 01/89/214/002/एएम 02/पीसी 2(क)]

आर. एस. गुजराल, महानिदेशक, विदेश व्यापार और
पदेन विशेष सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th May, 2010

No. 43/2009—2014

Subject : Import policy of worn clothing and other worn
articles.

S.O. 1188(E).—In exercise of powers conferred under Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 read with paragraph 2.1 of the Foreign Trade Policy, 2009—2014, the Central Government hereby makes the following amendments in Schedule 1 of the ITC (HS) Classifications of Export and Import Items.

2. After amendment the following entry would read as under :—

Exim Code	Item description	Policy	Policy conditions
63 09 0000	Worn clothing and other worn articles	Restricted	

3. The Import Licensing Note No. (1) at the end of Chapter 63 stands deleted.

4. This issues in public interest.

[F. No. 01/89/214/002/AM 02/PC 2 (A)]

R. S. GUJRAL, Director General of Foreign Trade
and ex-officio Spl. Secy.